Daily Current Affairs
16 June 2025

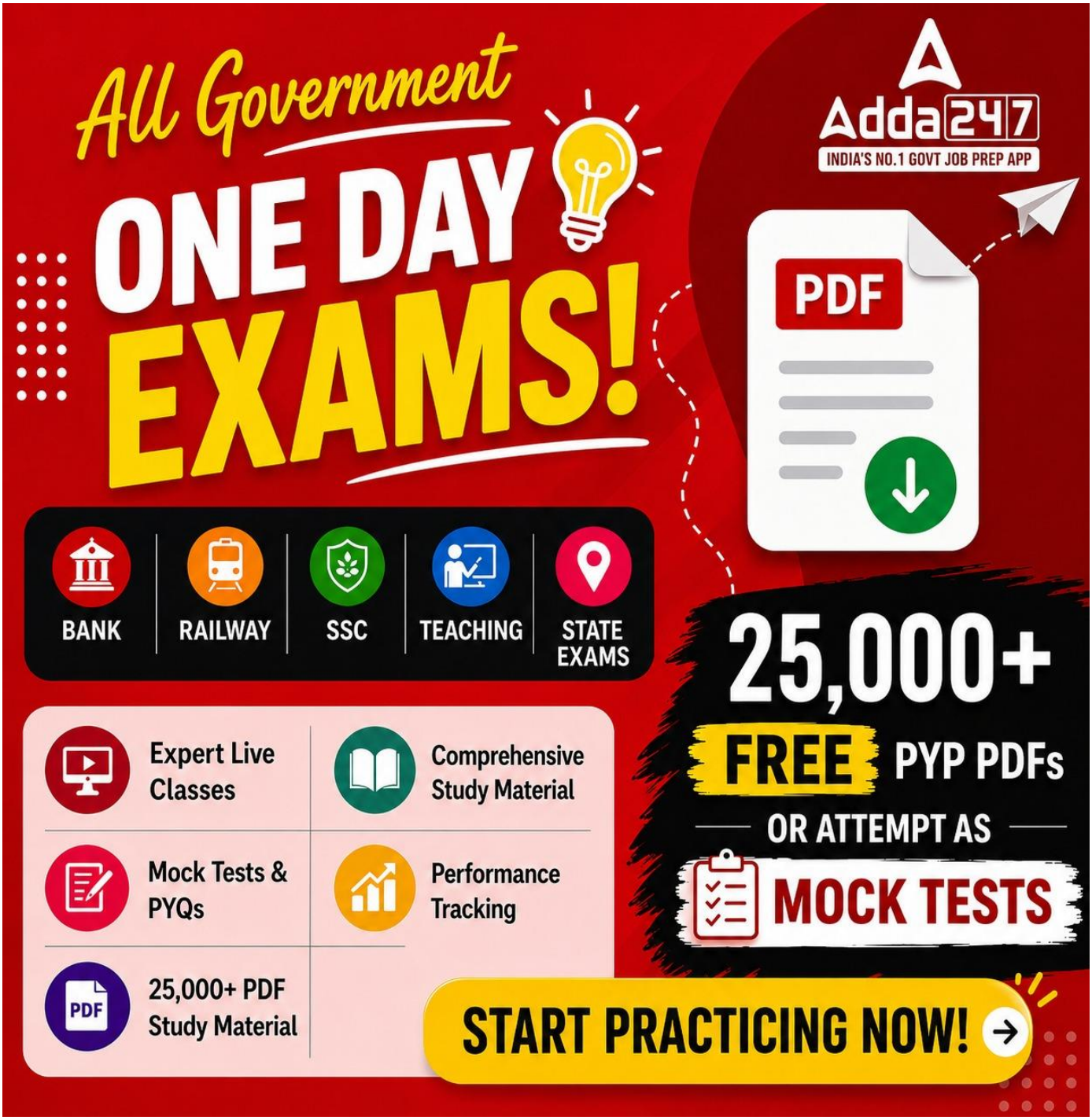

Daily Current Affairs Quiz 16 June 2026

Q1. किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य किस प्रमुख वन क्षेत्र का हिस्सा है?

(a) सुंदरवन वन

(b) पश्चिमी घाट वन

(c) शिवालिक वन

(d) दंडकारण्य वन

Ans.(d)

Sol. सही उत्तर (D) दंडकारण्य वन है

Explanation:

• तेलंगाना राज्य में स्थित किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य, ऐतिहासिक और पारिस्थितिक दंडकारण्य वन क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है।

• दंडकारण्य एक विशाल, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वन क्षेत्र है जो छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई भारतीय राज्यों के चौराहे पर फैला हुआ है।

• अभयारण्य इस सघन उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती बेल्ट की विशिष्ट वनस्पतियों की एक विविध सरणी प्रदर्शित करता है, जिसमें सागौन (टेक्टोना ग्रैंडिस), बांस, महुआ (मधुका), और एनोजिसस लैटिफोलिया (एक्सलवुड) जैसी प्रमुख वृक्ष प्रजातियां शामिल हैं।

• भौगोलिक रूप से, यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा बनाता है जो मध्य-दक्षिणी भारत में राज्य सीमाओं के पार विविध स्तनधारी प्रजातियों के स्थानीय प्रवास और आनुवंशिक आदान-प्रदान की अनुमति देता है।

Information Booster:

• पौराणिक रूप से, दंडकारण्य वन का रामायण जैसे प्राचीन भारतीय महाकाव्यों में गहरा उल्लेख मिलता है, जहाँ इसे उस स्थान के रूप में वर्णित किया गया है जहाँ भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने अपने चौदह वर्ष के वनवास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बिताया था।

• भौतिक रूप से, दंडकारण्य क्षेत्र में पश्चिम से पूर्व की ओर सामान्य ढलान के साथ एक लहरदार पठारी सतह शामिल है, जो गोदावरी नदी और इसकी कई महत्वपूर्ण सहायक नदियों द्वारा भारी रूप से अपवाहित है।

• अभयारण्य क्षेत्र रॉयल बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुआ, गौर (भारतीय बाइसन), चार सींगों वाला मृग (चौसिंगा) और स्लोथ भालू सहित लुप्तप्राय और कमजोर जीवों के लिए एक अभयारण्य के रूप में कार्य करता है।

Additional Knowledge:

• सुंदरवन वन (विकल्प A): पश्चिम बंगाल (भारत) और बांग्लादेश में गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टाई क्षेत्र में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन पारिस्थितिकी तंत्र, जो रॉयल बंगाल टाइगर्स की आबादी के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है।

• पश्चिमी घाट वन (विकल्प B): भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर फैली एक निरंतर पर्वत श्रृंखला, जिसे विश्व स्तर पर शीर्ष जैव विविधता हॉटस्पॉट में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो सघन उष्णकटिबंधीय सदाबहार और आर्द्र पर्णपाती वनों की विशेषता है।

• शिवालिक वन (विकल्प C): विशाल हिमालय पर्वत प्रणाली की सबसे बाहरी, सबसे युवा दक्षिणी तलहटी के साथ स्थित, जो हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब जैसे उत्तरी राज्यों में फैला हुआ है, जहां मुख्य रूप से उपोष्णकटिबंधीय पाइन और आर्द्र पर्णपाती पेड़ों का प्रभुत्व है।

Q2. किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य किस नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है?
(a) कृष्णा नदी
(b) तुंगभद्रा नदी
(c) गोदावरी नदी
(d) पेन्नार नदी
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) गोदावरी नदी है
Explanation:
• किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य गोदावरी नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है, जो प्रायद्वीपीय भारत में सबसे बड़ी और सबसे लंबी नदी प्रणाली है।
• किन्नेरसानी नदी स्वयं, जो अभयारण्य को विभाजित करती है, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों से होकर बहने के बाद भद्राचलम शहर के पास अपने दाहिने किनारे पर गोदावरी नदी में अपना जलभार सीधे गिराती है।
• गोदावरी नदी प्रणाली के तत्काल जलग्रहण बेसिन में स्थित होने के कारण, अभयारण्य उच्च जल स्तर, समृद्ध जलोढ़ मिट्टी के जमाव और घाटी की विशेषता वाली उच्च आर्द्रता के स्तर से अत्यधिक लाभान्वित होता है।
• गोदावरी नदी घाटी दक्षिण भारत में एक प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र के रूप में कार्य करती है, जो दक्कन के पठार और पूर्वी घाटों में पक्षियों और वन्यजीवों के प्रवास पैटर्न को प्रभावित करती है।
Information Booster:
• गोदावरी नदी को अक्सर 1,465 किलोमीटर की इसकी विशाल लंबाई और राष्ट्र भर में इसके गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण प्यार से 'वृद्ध गंगा' या 'दक्षिण गंगा' कहा जाता है।
• यह महाराष्ट्र में नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर की ऊंची ढलानों से निकलती है, जो बंगाल की खाड़ी में एक विशाल डेल्टा के माध्यम से खुलने से पहले तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों को काटती है।
• गोदावरी की महत्वपूर्ण बाएं किनारे की सहायक नदियों में प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी शामिल हैं, जबकि इसकी प्रमुख दाहिने किनारे की सहायक नदियों में प्रवरा, मंजीरा, मनेयर और किन्नेरसानी शामिल हैं।
Additional Knowledge:
• कृष्णा नदी (विकल्प A): दूसरी सबसे बड़ी पूर्व की ओर बहने वाली प्रायद्वीपीय नदी, जो महाराष्ट्र में महाबलेश्वर से निकलती है और कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होकर बहती है, जो नागार्जुन सागर जैसे प्रमुख बांधों को पोषित करती है।
• तुंगभद्रा नदी (विकल्प B): कृष्णा नदी की एक अत्यधिक महत्वपूर्ण दाहिने किनारे की सहायक नदी, जो कर्नाटक में तुंगा और भद्रा नदियों के संगम से बनी है, जो ऐतिहासिक रूप से हम्पी में मध्ययुगीन विजयनगर साम्राज्य के खंडहरों से होकर बहती है।
• पेन्नार नदी (विकल्प D): कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर जिले के नंदी हिल्स से निकलने वाली एक अलग प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली, जो बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र के माध्यम से पूर्व की ओर बहती है।

Q3. किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य तेलंगाना के किस जिले में स्थित है?
(a) नलगोंडा
(b) भद्राद्रि कोठागुडेम
(c) आदिलाबाद
(d) वारंगल
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (B) भद्राद्रि कोठागुडेम है

Explanation:
• किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य तेलंगाना के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में भद्राद्रि कोठागुडेम जिले की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर स्थित है।
• तेलंगाना में जिलों के व्यवस्थित पुनर्गठन से पहले, यह प्राचीन अभयारण्य क्षेत्र पूर्ववर्ती अविभाजित खम्मम जिले के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आता था।
• अभयारण्य कोठागुडेम के जिला मुख्यालय शहर से लगभग 21 किलोमीटर दूर स्थित है, जो इसे अच्छी तरह से जुड़े क्षेत्रीय सड़क नेटवर्क के माध्यम से आसानी से सुलभ बनाता है।
• गोदावरी नदी बेसिन के साथ जिले का व्यापक वन आवरण और भौगोलिक स्थिति इसे राज्य में संरक्षण, वानिकी प्रबंधन और आदिवासी कल्याण पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाती है।
Information Booster:
• भद्राद्रि कोठागुडेम जिला खनिज संसाधनों से समृद्ध है, जो प्रसिद्ध रूप से सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (SCCL) का घर है, जो पूरे क्षेत्र में व्यापक कोयला खनन कार्यों को संभालती है।
• जिला गोदावरी नदी के तट पर स्थित भद्राचलम के विश्व प्रसिद्ध पवित्र मंदिर शहर की भी मेजबानी करता है, जो महाकाव्य रामायण के साथ अपने ऐतिहासिक जुड़ाव के कारण सालाना लाखों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है।
• अभयारण्य के भीतर और आसपास की स्थानीय आबादी में बड़े पैमाने पर स्वदेशी आदिवासी समुदाय, जैसे कोया और लाम्बाडा शामिल हैं, जो जंगल के साथ सद्भाव में रहते हैं और आंशिक रूप से लघु वन उपज पर निर्भर हैं।
Additional Knowledge:
• नलगोंडा (विकल्प A): तेलंगाना के दक्षिणी भाग में स्थित एक जिला, जो नागार्जुन सागर परियोजना नहर नेटवर्क के तहत गहन धान की खेती और अपने विशिष्ट अर्ध-शुष्क परिदृश्य के लिए ऐतिहासिक रूप से जाना जाता है।
• आदिलाबाद (विकल्प C): महाराष्ट्र की सीमा से लगा तेलंगाना का सबसे उत्तरी जिला, जो अपनी समृद्ध आदिवासी विरासत, व्यापक कपास की खेती और घने वन क्षेत्रों के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध है जो कवल टाइगर रिजर्व का घर हैं।
• वारंगल (विकल्प D): तेलंगाना का एक प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक केंद्र, जो प्रसिद्ध रूप से मध्ययुगीन काकतीय राजवंश के लिए सत्ता की प्राचीन सीट के रूप में कार्य करता है, जो हजार स्तंभ मंदिर और रामप्पा मंदिर जैसी स्थापत्य कृतियों के लिए प्रसिद्ध है।

Q4. किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य अपना नाम किससे प्राप्त करता है:
(a) किन्नेरसानी बांध
(b) किन्नेरसानी नदी
(c) किन्नेरसानी झील
(d) किन्नेरसानी पहाड़ियाँ
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (B) किन्नेरसानी नदी है
Explanation:
• किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य सीधे तौर पर अपना भौगोलिक नाम किन्नेरसानी नदी से प्राप्त करता है, जो पवित्र गोदावरी नदी की एक महत्वपूर्ण दाहिने किनारे की सहायक नदी है जो संरक्षित वन क्षेत्र के बीच से होकर बहती है।
• यह बारहमासी नदी पूरे अभयारण्य की महत्वपूर्ण जीवन रेखा के रूप में कार्य करती है, घाटियों को काटती है और एक स्थायी जल स्रोत प्रदान करती है जो तीव्र और शुष्क गर्मी के महीनों के दौरान समृद्ध वन्यजीव आबादी को बनाए रखती है।
• नदी की उपस्थिति ने इसके किनारों के साथ विविध तटवर्ती पारिस्थितिकी तंत्रों को जन्म दिया है, जो लकड़ी के इलाके के भीतर विभिन्न जल पक्षियों, सरीसृपों और उभयचरों के लिए इष्टतम आवास विकसित करते हैं।
• नदियाँ अक्सर भारत भर में संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों के लिए नामकरण आधार के रूप में कार्य करती हैं, क्योंकि वे स्थानीय सूक्ष्म जलवायु, नमी प्रतिधारण और निर्दिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के वनस्पति वितरण को परिभाषित करती हैं।

Information Booster:
• यनमबैल्लू में अभयारण्य सीमा के भीतर इस नदी के पार किन्नेरसानी बांध के रूप में जाना जाने वाला एक भंडारण बांध बनाया गया था, जिससे पन्ने जैसे हरे द्वीपों के साथ एक सुंदर जलाशय का निर्माण हुआ।
• परिणामी जलाशय पूल मार्श मगरमच्छ (मगर) के लिए एक आदर्श प्रजनन स्थल और प्राकृतिक आवास बन गया है, जिसे इको-पर्यटकों द्वारा तटों के किनारे व्यापक रूप से धूप सेंकते हुए देखा जा सकता है।
• नदी, बांध जलाशय और आसपास के घने, टूटे हुए पहाड़ी देश का संयोजन एक सुरम्य परिदृश्य बनाता है, जो इसे राज्य में इको-पर्यटन और प्रकृति संरक्षण अध्ययनों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाता है।
Additional Knowledge:
• किन्नेरसानी बांध (विकल्प A): 1966 में किन्नेरसानी नदी के पार निर्मित एक इंजीनियरिंग चमत्कार, जिसे मुख्य रूप से कोठागुडेम थर्मल पावर स्टेशन (KTPS) को औद्योगिक शीतलन जल की आपूर्ति करने और स्थानीय सिंचाई उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया था।
• किन्नेरसानी झील (विकल्प C): बांध के निर्माण के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में गठित सुरम्य कृत्रिम जल निकाय, जिसमें खूबसूरती से सजाए गए आसपास के पार्कों की सुविधा है और पर्यटन विभाग द्वारा प्रबंधित नौकायन सुविधाएं प्रदान करती है।
• किन्नेरसानी पहाड़ियाँ (विकल्प D): पूर्वी घाटों की ऊबड़-खाबड़, टूटी हुई रिज स्थलाकृति जो नदी बेसिन को फ्रेम करती है, जो अभयारण्य के मैदानों में देखी जाने वाली परिवर्तनीय ऊंचाई और लहरदार परिदृश्य प्रोफाइल में योगदान करती है।

Q5. किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य का कुल क्षेत्रफल कितना है?
(a) 535.4 वर्ग किमी
(b) 735.4 वर्ग किमी
(c) 635.4 वर्ग किमी
(d) 435.4 वर्ग किमी
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) 635.4 वर्ग किमी है
Explanation:
• किन्नेरसानी वन्यजीव अभयारण्य लगभग 635.4 वर्ग किलोमीटर (सामान्य पाठों में अक्सर 635 वर्ग किमी तक पूर्णांकित) के कुल निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है।
• कम होते वन्य जीवों और प्राचीन नदी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए वर्ष 1977 में राज्य की अधिसूचना द्वारा स्थापित, इस विशाल विस्तार का प्रबंधन तेलंगाना वन विभाग द्वारा सावधानीपूर्वक किया जाता है।
• 635.4 वर्ग किलोमीटर का बड़ा स्थानिक विस्तार यह सुनिश्चित करता है कि तेंदुए, जंगली कुत्ते (ढोल) और गौर जैसे व्यापक क्षेत्र में रहने वाले मेगाफौना (बड़े जीवों) के पास तत्काल मानवीय संघर्ष के बिना भोजन खोजने और फलने-फूलने के लिए पर्याप्त बड़ा क्षेत्र हो।
• यह क्षेत्र खड़ी पहाड़ियों, गहरी घाटियों, मौसमी धाराओं और समतल मैदानों से युक्त एक जटिल स्थलाकृति की विशेषता है, जो कुल मिलाकर अभयारण्य की एक ही सीमा के भीतर विशिष्ट सूक्ष्म-आवासों का समर्थन करते हैं।
Information Booster:
• इस 635.4 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र के भीतर, एक पर्यावरणीय ज़ोनिंग पैटर्न बनाए रखा गया है, जिसमें किन्नेरसानी जलाशय के आसपास एक बफर इको-टूरिज्म ज़ोन के साथ-साथ वन्यजीवों के लिए पूरी तरह समर्पित एक अत्यधिक संरक्षित कोर क्षेत्र है।
• भूजल स्तर को सुधारने के लिए इस क्षेत्र में चेक बांधों और निरंतर समोच्च खाइयों (continuous contour trenches) जैसे मिट्टी और नमी संरक्षण कार्यों सहित बड़े पैमाने पर संरक्षण परियोजनाएं लागू की गई हैं।
• राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में विश्लेषणात्मक और तथ्यात्मक मिलान प्रश्नों को हल करने के लिए प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के सटीक क्षेत्रीय क्षेत्रों को समझना बहुत उपयोगी है।

Additional Knowledge:

• 535.4 वर्ग किमी (विकल्प A): प्रतिस्पर्धी परीक्षा के उम्मीदवारों की सटीक डेटा स्मरण क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए एक करीबी गणितीय विकर्षक के रूप में शामिल एक अनुमानित सांख्यिकीय मूल्य।

• 735.4 वर्ग किमी (विकल्प B): एक बढ़ा हुआ क्षेत्रफल आंकड़ा जो इस विशिष्ट अभयारण्य के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत राजपत्रित वास्तविक भौतिक सीमाओं से कहीं अधिक बड़ा मूल्य दर्शाता है।

• 435.4 वर्ग किमी (विकल्प D): एक छोटा क्षेत्रफल आंकड़ा जो एक विकर्षक विकल्प के रूप में शामिल किया गया है, जो किन्नेरसानी वन्यजीव प्रभाग के तहत संरक्षित पर्याप्त वन निरंतरता का प्रतिनिधित्व कम करता है।